है । मैलानी स्टेशन पर जो वर्कशाप बना हुआ है, उसकी जांच करने के सम्बन्ध में मैंने एक सुझाव दिया था, मैं जानना चाहती हूं कि उस सम्बन्ध में आपने क्या कार्यवाही की है ?

श्री मल्लिकार्जुन : वर्कशाप से इस प्रश्न का कोई सम्बन्ध नहीं है ।

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : अध्यक्ष महोदय, जो जवाब दिया गया है कि शरारती तत्वों ने चेन खींच दी, इस नाते ट्रेन लेट चल रही है, यह रेलवे बोर्ड का साधारण-सा नुस्खा है कि यह बता दिया जाये तो सारे सवाल खत्म हो जाएं । वास्तविकता यह नहीं है ।

रेलवे की कंसल्टेटिव कमेटी में मांग की गई थी कि एन. ई. रेलवे को नए इंजन और नई बोगियां दी जाएं, लेकिन इस बारे में अभी तक कुछ नहीं हुआ । पूर्वोत्तर रेलवे के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है । मैं मंत्री जी से स्पष्ट जानना चाहता हूं कि अप्रैल, मई और जून में गोरखपुर, लखनऊ प्रखंड, में जो ट्रेनें चली हैं, वह कितने प्रतिशत समय से चली हैं और जो समय से नहीं चलीं उनका कारण क्या है ? क्या यह सच नहीं है कि पूर्वोत्तर रेलवे में जो भी इंजन और बोगियां हैं, वह पुराने हैं ? क्या मंत्री जी इसका स्पष्ट उत्तर देंगे ?

श्री मल्लिकार्जुन : माननीय सदस्य का यह सवाल जो सौतेली मां की तरह देखने का है, वह गलत है । जैसा माननीय सदस्य ने बताया पूर्वोत्तर रेलवे में कुछ इंजन व कुछ कोचेज ठीक नहीं है, यह यथार्थ है । इस विषय में सरकार सोचेगी । अभी 4 डीजल इन्जन मीटर गेज के लिए दिए गए हैं । कोचेज का प्रबन्ध करने का विचार है ।

अध्यक्ष महोदय : पूरा प्रबन्ध कर के चलवाएं ।

बम्बई-नई दिल्ली और इंदौर-नई दिल्ली के यात्रियों को सुविधाएं

*205. **श्री सत्यनारायण जटिया** : क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि ;

(क) क्या पश्चिम रेलवे के अन्तर्गत बम्बई-नई दिल्ली और इंदौर-नई दिल्ली बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के लए अधिक सुविधाएं दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्ष 1982-83 के दौरान अधिक सुविधाएं देने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (d). While there is no specific target for additional facilities in 1982-83, it is constantly the endeavour to improve facilities for rail travel on the Railways as a whole. A major step in this direction has been the double-heading of Rajdhani Express between Bombay and Delhi. Similar load increase will be possible on the Rajdhani Express between Calcutta and Delhi when the new electric locomotive, manufactured for this purpose, is put into regular service on this train after completion of trials. The output of this locomotive will be equal to the output of double headed diesel locomotive on the non-electrified route between Bombay and Delhi. Slip coaches have been provided between Indore and Delhi to provide facility of travel between the two cities, without transhipment. There are several slip coaches running between different cities in India.

MR. SPEAKER: I am impressed that you are going like Rajdhani Express.

श्री सत्य नारायण जटिया: माननीय मंत्री ने अपने उत्तर में बताया है कि राजधानी एक्सप्रेस में दो इंजन लगाकर उसकी क्षमता बढ़ा दी है, लेकिन राजधानी एक्सप्रेस से सामान्य लोगों को यात्रा की सुविधा प्रायः नहीं हो सकती है । सामान्य गाड़ी दिल्ली-

बम्बई के बीच में देहरादून एक्सप्रेस जो चलती है, क्या मंत्री महोदय उसमें दो इंजन लगाकर यात्रियों की सुविधा को बढ़ाएंगे ?

इन्दौर मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा नगर है और वहां से यात्रा की सुविधा बढ़ाना जरूरी है । इस के पूर्व जो रेल मंत्री रहे हैं उन्होंने घोषणा भी की थी कि इंदौर से दिल्ली के बीच में वह रेलगाड़ी चलाने वाले हैं ।

मेरा प्रश्न यह है कि क्या देहरादून एक्सप्रेस में दो इंजन लगा कर उस की क्षमता बढ़ाने का कार्य करेंगे और जैसा कि भूतपूर्व रेल मंत्री ने घोषणा की थी, इन्दौर से दिल्ली के बीच में नई रेलगाड़ी चला कर उस को कार्यान्वित करेंगे ?

रेल मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : देहरादून एक्सप्रेस को डबल हेडेड करना मुश्किल है । फिलहाल दो कोचेज की सुविधा इन्दौर से दिल्ली तक और इन्दौर से बम्बई तक दी गई है । लेकिन इस प्रकरण पर विचार किया जा रहा है और जो अक्तूबर से नया टाइम टेबल बदलेगा उस में देहरादून एक्सप्रेस को और बड़ी गाड़ी बढ़ा कर आधी ट्रेन दिल्ली की तरफ चलाई जाए और आधी ट्रेन बम्बई की तरफ चलाई जाए, इस प्रकार का करने का विचार है । मैं समझता हूं कि यह हो जाने से काफी सुविधा बढ़ जाएगी ।

श्री सत्यनारायण जटिया : मेरा दूसरा प्रश्न है कि जो यह रेल सुविधा बम्बई और दिल्ली के बीच में है उस को और बढ़ाया जाए । आप को पता होगा कि गुना और उज्जैन के बीच में एक यात्री गाड़ी चलती है, इस को यदि नागदा तक एक्सटेंड कर दिया जाए तो यात्रियों को नागदा तक आने जाने की सुविधा हो जाएगी । तो क्या आप गुना उज्जैन गाड़ी को नागदा तक बढ़ाएंगे?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : यह सुझाव दो तीन जगहों से आया है और इस पर विचार किया जा रहा है ।

श्री दिलीप सिंह भूरिया : इन्दौर-रतलाम जो अहमदाबाद से सर्वोदय एक्सप्रेस चलती है उस में दिल्ली आने के लिए तो कोटा है लेकिन वापस जाने के लिए दिल्ली रतलाम का कोटा नहीं है । दूसरी बात जो सांची एक्सप्रेस इन्दौर-दिल्ली के बीच में चलाने के लिए पहले रेल मंत्री महोदय ने घोषणा की थी वह कब तक शुरू हो जाएगी ताकि इन्दौर के लोगों को यात्रा करने की सुविधा मिले ? इस के अलावा एक जो अवधेश एक्सप्रेस कोटा तक आकर रुकती है उस को बड़ौदा तक बढ़ाने की बात कब तक हो जाएगी क्यों कि इस ट्रैक पर काफी आदिवासी लोग कोटा में मजदूरी करने आते हैं, तो सब से गरीब और कमजोर लोगों को असुविधा होती है, इसलिये इस ट्रैक पर मंत्री महोदय कब तक गाड़ी बढ़ाने जा रहे हैं, यह मैं जानना चाहता हूं ।

श्री मल्लिकार्जुन : फिलहाल कोटा से बड़ौदा तक बढ़ाना मुश्किल है क्योंकि लाइन कैपेसिटी की समस्या है । अब रहा सर्वोदय एक्सप्रेस का सवाल, उस में इन्दौर से रिर्जवेशन 3 ए सी टू टायर का है और 35 सैकेंड क्लास बर्थ के रिर्जवेशन का प्रबन्ध है। अब यहां से रतलाम के लिये वापस जाने का जो नहीं है उस के बारे में हम सोच रहे हैं कि कितना उस के लिए किया जाए ।

श्री राम नगीना मिश्र : यह तो खुशी है कि बम्बई से दिल्ली और इन्दौर के लिए विशेष सुविधा दी है । किन्तु हमने यहां पर पहले भी निवेदन किया था और सदन में मंत्री महोदय ने आश्वासन दिया था कि पटना से गोरखपुर होते हुए दिल्ली तक आने के लिए एक डायरेक्ट ट्रेन वह देंगे । तो क्या मंत्री जी निकट भविष्य में पटना से गोरखपुर होते हुए दिल्ली के लिए कोई ऐसी ट्रेन चलाएंगे ?

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, भारत के अन्य भागों के बारे में इस समय मैं समाधान नहीं दे सकता हूं और इस का इस प्रश्न से कोई सम्बन्ध नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : दो साल से आप ने ट्रेन चलाने की बात नहीं की है। आप ने हम से भी वायदा किया था कि फीरोजपुर के लिए

डबल इन्जन लगा देंगे, वह अभी तक नहीं लगाया है ।

...(व्यवधान)...

US Financial help to democratic forces of Third World

+

*206. SHRI S. M. KRISHNA:
SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to press reports that American Administration is proposing to finance political parties, labour unions and press in the Third World to promote Democracy in the developing countries; and

(b) if so, our Government's reactions in the matter?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) Yes, Sir.

(b) The question of giving assistance referred to in these reports appears to be at a stage of discussion and planning within the U.S. Government. In India, all foreign financial assistance is governed by the Foreign Contributions Regulations Act. This Act provides that "No foreign contribution shall be accepted by any—(a) candidate for election, (b) correspondent, columnist, cartoonist, editor, owner, printer or publisher of a registered newspaper, (c) Government servant or employee of any corporation, (d) member of any Legislature, (e) political party or office-bearer thereof." It further states that "No organisation of a political nature, not being a political party shall, accept any foreign contribution except with the period permission of the Central Government."

The above provisions are adequate to meet any situation which may arise in this context. The Government will, however, continue to watch further developments in this regard, particularly for their implications, if any, to India.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: Mr. Speaker, Sir, you will agree with me that this question is supremely important because the statement comes from the Head of the Administration of the United States and it is a policy of blatant interference in the internal political affairs of a country.

The Minister has agreed, that his attention has been drawn and this is an open declaration of the United States of America that they will be providing money to political parties and other trade unions with political purposes. Now, should the Government of India remain silent since this is an infringement on the sovereign right of a country to regulate its own affairs? And this type of policy declaration is not permitted by international law or United Nations organisation because every Government has to recognise the people as sovereign. Here the United States of America openly declares that they are going to interfere in the internal affairs, in the political affairs. So, my question is: Should not the Government of India issue any protest against such a policy which has been declared by the United States of America?

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: I have already quoted from the text of the law which we have on the subject. I have already submitted to the House that in our view the provisions as we have them today are adequate to meet any situation. I have also added that we will be watchful to see if anything more is needed and if there are any further implications in regard to the Indian context. This, I think, should suffice and beyond this, there is no comment necessary.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: Mr. Speaker, Sir, may I know from the hon. Minister whether there is any information regarding the contribution already made by the United States of America to some political organisation? (*Interruptions*). If it is CPI(M), detect it, we don't mind, we openly say we don't take. But is it also true that a certain political party took money from the United States of America? Which is that party and did it take any prior permission from